भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं.1373
03 दिसम्बर, 2024 को उत्तरार्थ

विषय: धान की चल रही खरीद

1373. श्री शेर सिंह घुबाया:
श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को पंजाब में धान की खरीद के मौजूदा संकट की जानकारी है;
(ख) यदि हां, तो किसानों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं;
(ग) क्या यह सच है कि पंजाब में चावल मिल मालिकों ने चावल की पैदावार और जगह की कमी से संबंधित मुद्दों के कारण धान की कुटाई करने से इनकार कर दिया है; और
(घ) यदि हां, तो सरकार इन मुद्दों को हल करने के लिए क्या कदम उठा रही है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) एवं (ख) : पंजाब में खरीफ विपणन सत्र (केएमएस) 2024-25 के लिए धान की खरीद की अवधि 01.10.2024 से शुरू होकर 30.11.2024 तक जारी रहा । राज्य सरकार की खरीद एजेंसियों और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा आढ़तियों के माध्यम से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 169 एलएमटी धान की खरीद पहले ही की जा चुकी है, जबकि मंडियों में 27/11/2024 तक 171 एलएमटी धान की आवक की सूचना है। 1823 नियमित अधिसूचित मंडियों के अलावा, राज्य सरकार द्वारा एमएसपी पर धान की खरीद के लिए 951 सार्वजनिक स्थान सह अस्थायी यार्ड और 475 चावल मिल सह अस्थायी यार्ड चालू किए गए हैं।

(ग) एवं (घ) : लगभग 4800 मिलर्स पहले ही पंजीकृत हो चुके हैं और उन्हें राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा संयुक्त अभिरक्षा और मिलिंग के तहत भंडारण के लिए धान आवंटित किया गया है।

आने वाले स्टॉक की प्राप्ति/भंडारण के लिए गोदाम का निर्माण/खाली करना एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें पहले से भंडारित खाद्यान्न स्टॉक को बाहर ले जाया जाता है। धान की वर्तमान फसल की मिलिंग के बाद चावल की प्राप्ति/भंडारण के लिए अतिरिक्त भंडारण क्षमता उपलब्ध कराने के लिए, राज्य में कवर किए गए गोदामों में रखे गए गेहूं के स्टॉक

की आवाजाही/निकासी को प्राथमिकता देने, अतिरिक्त भंडारण क्षमता को किराए पर लेने, पंजाब से चावल की अतिरिक्त आवाजाही जैसे उपायों का सहारा लिया जा रहा है।

पंजाब में उगाई गई धान की कुछ नई संकर किस्मों से चावल की कम उपज के दावे के संबंध में, उपज से संबंधित मुद्दे पर एक अध्ययन आईआईटी खड़गपुर को सौंपा गया है।

*****